<u>प्रेस विज्ञप्ति</u> 11.05.2017

दिनांक 11 मई, 2017 दो दिवसीय जी.एस.टी. के सेमीनार का प्रथम दिन का सत्र प्रातः 10:00 बजे से मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल-दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

उक्त सत्र को उद्घाटन एवं तकनीकी सत्र में संचालित किया गया। प्रयेक का विवरण इस प्रकार से है:

<u>उद्घाटन सत्र</u>

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश के फिस्कल कमिटी के चैयरमैन श्री मुकुल टंडन ने स्वागत-भाषण प्रस्तुत करते हुए सेंट्रल इंडिया रीजनल कौंसिल, मुख्य अतिथि सी.ए. नवीन एन.डी.गुप्ता, अध्यक्ष-सी.आई.आर.सी., मुम्बई से पधारे वक्ता सी.ए. मंगेश पी. किनारे, संस्थाओं के सदस्यगणों, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, एवं मीडिया कर्मियों का अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा मर्चेंट्स चैम्बर सन 1932 में स्व. लाला कमलापत जी द्वारा ब्रिटिश राज में व्यापार एवं उद्योग के हितों की रक्षा के लिए स्थापित किया गया था तब से मर्चेंट्स चैम्बर अपने दायित्वों का निर्वाह करता रहा है।

सी.ए. मनु अग्रावाल ने कहा कि यह उनके लिए अत्यधिक सम्मान की बात है कि उन्हें सी.आई.आर.सी. के वाईस चैयरमैन का स्वागत करने का अवसर मिला। श्री अग्रवाल ने बताया कि सी.ए. नवीन एन. डी. गुप्ता जी समय के पाबन्द एवं कर्मठ एवं सहयोगी विशेषज्ञ है।

मुख्य-अतिथि सी.ए. नवीन एन.डी.गुप्ता ने सभी का धन्यवाद देते हुये कहा कि आज का समय डीजिटाईजेशन का है और हम सबको इस स्वर्णिम अवसर को पुरी सक्रियता से अपनाना होगा। क्योकि आज कई देश ऐसे है जो कि डीजिटाईजेशन ही नहीं वरन क्लाउड कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स (बोट टेक्नोलॉजी भी कहते है), आर्टिफीसियल इंटेलीजेंस (ए.आई.) का भी बेहतर तरीके से उपयोग कर रही है। श्री गुप्ता ने बताया कि प्रौद्योगिकी के इस दौर में बोट टेक्नोलॉजी एवं ए.आई का अत्यधिक उपयोग है। उन्होंने बताया कि इस क्रान्ति का उपयोग हम डाटा आउटसोर्सिंग के जरिये दूसरे देश (जहां पर इसका उपयोग हो रहा है) से करवा सकते है। श्री गुप्ता ने बताया कि सी.ए. के पाठ्यक्रम में बदलाव करने जा रहे है। अभी तक इस कोर्स में प्रवेश लेना सरल था पास करना कठिन था लेकिन अब प्रवेश प्रक्रिया को चुनौतीपूर्ण बनाया जा रहा है जिससे कि योग्य छात्र ही इस पाठ्यक्रम में आयें।

श्री गुप्ता ने दिवालिया कानून पर सरकार द्वारा किये जा रहे बदलाव की सराहना करते हुए इसे एक सकारात्मक कदम बताया ।

श्री गुप्ता ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने हमारे पेशे की महत्ता अत्यधिक बढ़ा दिया है जिसको वह संसदीय मंच से भी कह चुके है। माननीय वित्त मंत्री अरूण जेटली ने ट्वीट करके आई.डी.एस. योजना को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया था।

श्री गुप्ता ने बताया कि जी.एस.टी. हमारे देश में सबसे बड़ा कर सुधार है जिसमें "एक राष्ट्र एक कर" के प्रावधान का अनुपालन किया गया है।

सत्र का संचालन सी.ए. दीप कुमार मिश्रा ने किया एवं धन्यवाद-प्रस्ताव सी.ए. धर्मेंद्रा श्रीवास्तवा ने किया।

तकनीकी सत्र

तकनीकी सत्र के **प्रथम सत्र** में मुम्बई से पधारे सी.ए. मंगेश पी. किनारे एवं सी. ए. मनु अग्रवाल ने अपने वक्तव्य दिया।

मुम्बई से पधारे वक्ता सी.ए. मंगेश पी. किनारे ने तकनीकी सत्र में समय एवं आपूर्ति की संकल्पना (**Concept of supply and Time of supply**) तथा रिवर्स चार्जे पर पॉवर-पॉइंट प्रस्तुति दिया ।

सत्र के **द्वितीय** वक्ता सी.ए. मनु अग्रवाल जी द्वारा जी.एस.टी. का अवलोकन एवं इसकी संरचना योजना (Overview of GST & Composition Scheme) के साथ-साथ जी.एस.टी. क्या है, किस पर तथा कब से लागू होगा जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दिया।

सत्र के अन्त में निष्कर्ष सी.ए. राजेश कसेरा जी द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन सी.ए. सुधीर निगम ने किया एवं धन्यवाद-प्रस्ताव सी.ए. रिचा अग्रावाल ने प्रस्तुत किया।

तकनीकी सत्र के द्वितीय सत्र का उदघाटन करते हुए सी.ए. पीयूष अग्रवाल ने वक्ता सी.ए. धर्मेन्द्र श्रीवास्तव का स्वागत किया एवं उनको जी.एस.टी पर अपना ज्ञान साझा करने के लिए आमंत्रित किया।

वक्ता सी.ए. धर्मेन्द्र श्रीवास्तव ने जीएसटी के तहत मूल्यांकन, जी.एस.टी. के अंतर्गत विभिन्न चरणों (जैसे: पंजीकरण, भुगतान और रिटर्न की फाइलिंग) एवं अन्य सम्बंधित नियमों तथा ट्रांसीनल प्रावधानों का विस्तृत पूर्वक उल्लेख किया।

द्वितीय सत्र के अन्त में सी.ए. पीयूष अग्रवाल द्वारा निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया एवं धन्यवाद-प्रस्ताव सी.ए.-शरद निगम द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम के समापनकाल में यह जानकारी दी गयी कि तकनीकी सत्र का तृतीय एवं चतुर्थ चरण कल दिनांक 12 मई, 2017 को प्रातः 10:00 बजे से पुनः मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश में संचालित किया जाएगा।

सत्र में उपस्थित गणमान्य: श्री शैलेश शाह, श्री नरेन्द्र कपूर, सी.वी.सिंह, श्री अवधेश मिश्रा, अजय केडिया, श्री ज्ञान प्रकाश गुप्ता, श्री ए.के. सिन्हा, सचिव-एम.सी.यू.पी., श्री बी.एम. गर्ग, श्री सुनील त्रिवेदी तथा मर्चेंट्स चैम्बर एवं सी.आई.आर.सी. के सदस्यगण उपस्थित रहे।

सधन्यवाद